Semester II

Pedagogy History 7 A

Unit VI: Examination and Evaluation of History

a. Introduction
b. Meaning of Evaluation
c. Difference Between Evaluation And Measurement
d. Purpose of Evaluation
e. Techniques of Evaluation.
f. Essay Type Test.
g. New Type Tests or objective Type Tests
h. Types of objective Type Tests.
i. Defects of New Type Tests.
j. comparative study of objective Type And Essay Type Tests.
K. History Teacher And Evaluation Programme.
L. Specific Aims of History Teaching At The Secondary stage.

By.

Dr. Asha Kumari Gupta.

Asha Kumari Gupta

Scanned with CamScanner

नवीन प्रणाली के दोष
(DEFECTS OF NEW TYPE TESTS)

सामाजिक विषयों की जाँच के लिए जब इस प्रणाली का प्रयोग किया गया, तब इसके निम्नलिखित दोष दृष्टिगोचर हुए–

1. इन प्रश्नों के बनाने में अत्यधिक कठिनाई का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक कठिनाई अपवर्त्य चयन की परीक्षा में होती है क्योंकि सभी मनुष्यों की विचारधाराएँ एक समान नहीं होती हैं, उदाहरणार्थ–शिवाजी (बहादुर, राजनीतिज्ञ, साहसी, विद्वान्) थे। इसमें विभिन्न व्यक्तियों की विभिन्न विचारधाराएँ हो सकती हैं, क्योंकि मानव-चरित्र जटिलता से पूर्ण है और ऐतिहासिक चरित्र तो विशेष रूप से जटिल होते हैं। उसके विषय में परीक्षक कैसे कह सकता है कि मेरा विचार ही सत्य है ? परन्तु प्रो. घाटे का विचार है कि यदि इतिहास का शिक्षक अपने विद्यार्थियों को योग्यता तथा निष्पक्षता के साथ इनके चरित्र के विषय में ज्ञान देगा तो ऐसी कठिनाई उत्पन्न नहीं होगी। छात्रों में शिक्षक वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करे, जिससे वे निष्पक्ष निर्णय कर सकें।

2. यह परीक्षा अनुमान लगाने (Guess Work) के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करती है। यह छात्रों को केवल इधर-उधर चिन्ह लगाने के अतिरिक्त अन्य कुछ नहीं सिखाती है। छात्र कहानियों के विषय में कुछ नहीं लिख सकते हैं, क्योंकि उनको लिखने का कार्य कुछ नहीं दिया जाता है। इससे छात्रों को प्रश्नों के उत्तर लिखने का ढंग नहीं सिखाया जा सकता है।

3. इसके विरुद्ध तीसरा प्रबल आरोप यह है कि इनके प्रयोग द्वारा छात्रों की विचार तर्क आदि शक्तियों का विकास नहीं होता। साधारण प्रश्नों तक ही इनका उपयोग हो सकता है। इसके द्वारा किसी प्रकार की शृंखला अथवा क्रमबद्धता स्थापित नहीं की जा सकती। साधारण विचार तथा तर्क-शक्ति निबन्धात्मक परीक्षा से ही छात्रों में उत्पन्न की जा सकती है। यह परीक्षा निबन्धात्मक परीक्षा का स्थान ग्रहण नहीं कर सकती है और न यह उच्चतर कक्षाओं के लिए उपयुक्त है। इसके द्वारा केवल उसके तथ्य-ज्ञान तथा कालानुक्रम की जाँच की जा सकती है।

Scanned with CamScanner